SAATHI

The Street Dog from Dharamsala, India

साथी

धर्मशाला की गलियों का एक कुत्ता

Written by **Julu**

Illustrations by **Jenny Campbell**

Translated by **Deepti Karn**

मुख्य लेखक : **जुलु**

चित्रण : **जेनी कैम्पबेल**

अनुवादक : **दीप्ति कर्ण**

ADARSH BOOKS

For information contact: SathiStreetDog@gmail.com

www.SathiStreetDog.org

अधिक जानकारी के लिए: SathiStreetDog@gmail.com

www.SathiStreetDog.org

Published by

Adarsh Books - 2022
Ansari Road, Daryaganj, New Delhi 110002

Distributed by

Adarsh Enterprises
Ansari Road, Daryaganj, New Delhi 110002

©2022 Julie Palais

All rights reserved. No part of this book may be reproduced.

ISBN: 978-

प्रकाशक:

आदर्श बुक्स - २०२२
अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली ११०००२

वितरक:

आदर्श इंटरप्राइजेज
अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली ११०००२

© जूली पलाइस, २०२२

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस किताब के किसी भी हिस्से की प्रतिलिपि निषेध है।

ISBN: 978-

Acknowledgements

It is not possible here, with such limited space, to do justice to these acknowledgements and to thank the many people who were involved in the rescue of the dog on which Saathi's story is based. We will simply name the people and organizations who, in one way or another, participated in helping to save the dog from continued abuse on the streets of Kathmandu, Nepal. These heroes include Sonam Yangzom, Lesley Mapstone (Temple Dog Rescue, Canada) and all of the people who donated to the GoFundMe that paid for the dog's travel to Canada, Ben Charman and staff (Kathmandu Animal Treatment Centre - UK), Janek Kaphle (Rambo Abbie Dog Training, Kathmandu), Dr. Sushil Paudel, Animal Medical Centre (Chuchepati, Kathmandu) and Stirling Wineck who adopted the dog, now named Max. Project Humane Nepal provided the illustration and information about "How to Avoid Getting Bitten by a Dog" on p. 43 and the information about what to do if you get bitten by a dog is from a Help Animals India brochure.

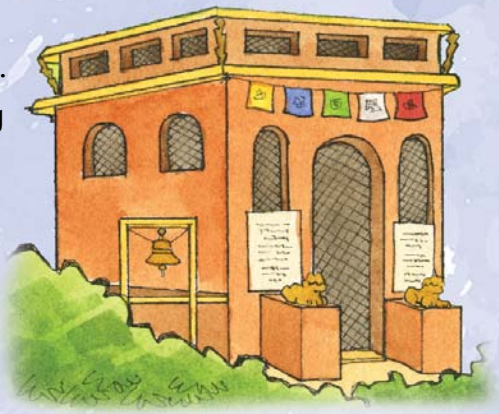

कृतज्ञताज्ञापन

यहां इतने कम शब्दों में उन सभी को स्वीकृति देना असंभव सा है जिन्होंने उस कुत्ते को बचाने में योगदान दिया जिसके ऊपर यह किताब लिखी गयी है। हम केवल उन लोगों और संगठनों के नाम लेंगे जिन्होंने किसी न किसी तरह से इस कुत्ते को काठमांडू की गलियों में अत्याचार से बचाया है। इन नायकों के नाम हैं सोनम यांग्जोम, लेस्ली मैप्स्टोन (टेम्पल डॉग रेस्क्यू, कैनेडा) और वह सभी लोग जिन्होंने "गो फण्ड मी" में कैनेडा के सफ़र के लिए दान दिया, बेन चारमेन और उनका स्टाफ (काठमांडू एनिमल ट्रीटमेंट सेण्टर - यु. के.), जनक काफ्ले (रेम्बो एब्बी डॉग ट्रेनिंग, काठमांडू), डॉ सुशील पौडेल, एनिमल मेडिकल सेंटर (चूचेपति, काठमांडू) और स्टिरलिंग विनेक जिन्होंने कुत्ते को गोद लिया और उसे "मैक्स" का नाम दिया। प्रोजेक्ट ह्यूमेन नेपाल ने हमें "कुत्ते के काटने से कैसे बचें" (पृष्ठ ४३) का चित्रण और जानकारी दी। "यदि आपको कोई कुत्ता काट ले तो क्या करना चाहिए" की जानकारी हेल्प एनिमल्स इंडिया के ब्रोचर से ली गयी है।

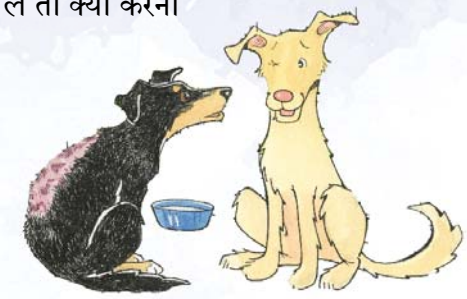

Dedication

This book is dedicated to all of the homeless dogs on the streets of India, and throughout the world who were either abandoned by former owners or who were born on the streets, under very difficult circumstances. The life of a street dog is difficult, and they are often the target of abuse and cruelty. Next time you encounter a street dog please remember Saathi's story and do what you can to help the dog if it needs food or water or medical care. But above all, please be kind to them. And if you and your family decide to get a dog as a family pet, please consider adopting a street dog instead of buying an expensive puppy. There are many wonderful dogs just like Saathi on the streets of India who are waiting for you to give them a home.

समर्पण

यह किताब उन सभी बेघर कुत्तों के नाम जो आज भी भारत की सड़कों पर हैं, और उन सभी के नाम जिन्हें या तो उनके पुराने मालिकों ने बेघर कर दिया या वह गलियों में ही पैदा हुए। एक गली के कुत्ते की ज़िन्दगी बेहद मुश्किल होती है, और वह अक्सर दुर्व्यवहार व क्रूरता के शिकार बन जाते हैं। अगली बार जब भी आप किसी आवारा कुत्ते से मिलें, साथी की कहानी को ज़रूर याद रखें और उसके लिए जो हो सके कीजिये। यदि उसे खाना, पानी, या दवा की ज़रुरत है तो उसमें उसकी सहायता कीजिए। और इन सभी से बढ़कर उनको दया भाव की नज़र से देखें। यदि आप और आपके परिवार वाले किसी कुत्ते को पालने का फैसला करते हैं तो किसी महंगे नस्ल के कुत्ते को खरीदने से बहतर, किसी बेघर आवारा कुत्ते को गोद लेने की ज़रूर सोचें। भारत की गलियों में साथी जैसे ही न जाने कितने कुत्ते घूम रहे हैं जो आपका इंतज़ार कर रहे हैं कि आप उन्हें एक घर दें।

It was a crisp, cool, morning in Dharamsala, India. Saathi was excited about what lay ahead.

It was Kukur Tihar, the "Day of the Dog", a day on which people worship all dogs, both owned and those who are homeless. It commemorates the loyal and compassionate relationship between humans and dogs.

Saathi knew that later in the day a garland, made of marigolds would be placed around her neck. Then she would be showered with flower petals, fed a delicious meal of meat, milk, eggs, sweets/mithai and special biscuits, and loved by the people she met.

वह भारत के धर्मशाला की एक सर्द सुबह थी। साथी आगे जो होने वाला था उसके लिए बहुत खुश थी।

वह दिन कुकुर तिहार का दिन था, जिस दिन सभी कुत्तों की पूजा की जाती थी चाहें वे पालतू हों या बेघर। वह इंसानों व कुत्तों के रिश्ते का त्यौहार था।

साथी जानती थी कि दिन के अंत तक उसके गले में एक गेंदे के फूलों से बना हार होगा। फिर उसके ऊपर फूलों की बारिश की जायेगी और तरह तरह के पकवान खिलाये जायेंगे - दूध, मीट, अंडा, मिठाई, और स्पेशल बिस्किट्स भी! और जो भी आज उससे मिलेगा सभी उससे बहुत प्यार करेंगे।

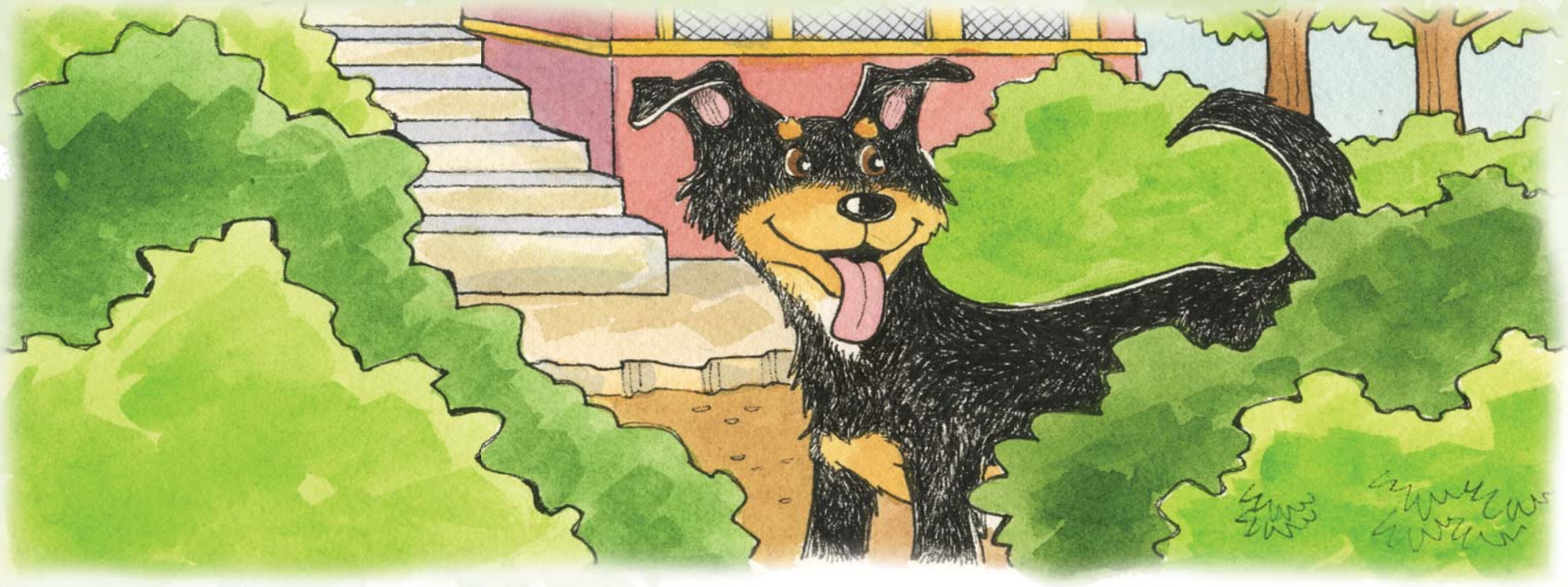

A tika made from vermillion powder would be placed on her forehead, too!

This would be Saathi's very first Kukur Tihar, since the village where she grew up did not celebrate the holiday. Saathi stood up from where she had been sleeping along the roadside, and stretched.

She then decided to look for some of her dog friends near the Radha Krishna Mandir. She didn't want to go to the Kukur Tihar celebrations alone, and hoped she would find one of her other friends to go with her.

सिन्दूर के पाउडर से बना एक टीका भी उसके माथे पर लगाया जायेगा।

यह साथी की ज़िन्दगी का पहला कुकुर तिहार होने वाला था क्यूंकि वह जिस गाँव में बड़ी हुई थी वहाँ यह त्यौहार नहीं मनाया जाता था। यह सोचते सोचते साथी जहां सड़क के किनारे सो रही थी वहां से उठ कर अपने हाथ पैर तानने लगी।

उसके बाद उसने अपने कुछ कुत्ते दोस्तों को राधा-कृष्णा मंदिर के पास जा कर ढूंढने की सोची। वह कुकुर तिहार के त्यौहार पर अकेले नहीं जाना चाहती थी, वह इस उम्मीद में थी कि उसे साथ जाने वाला कोई दोस्त मिल जायेगा।

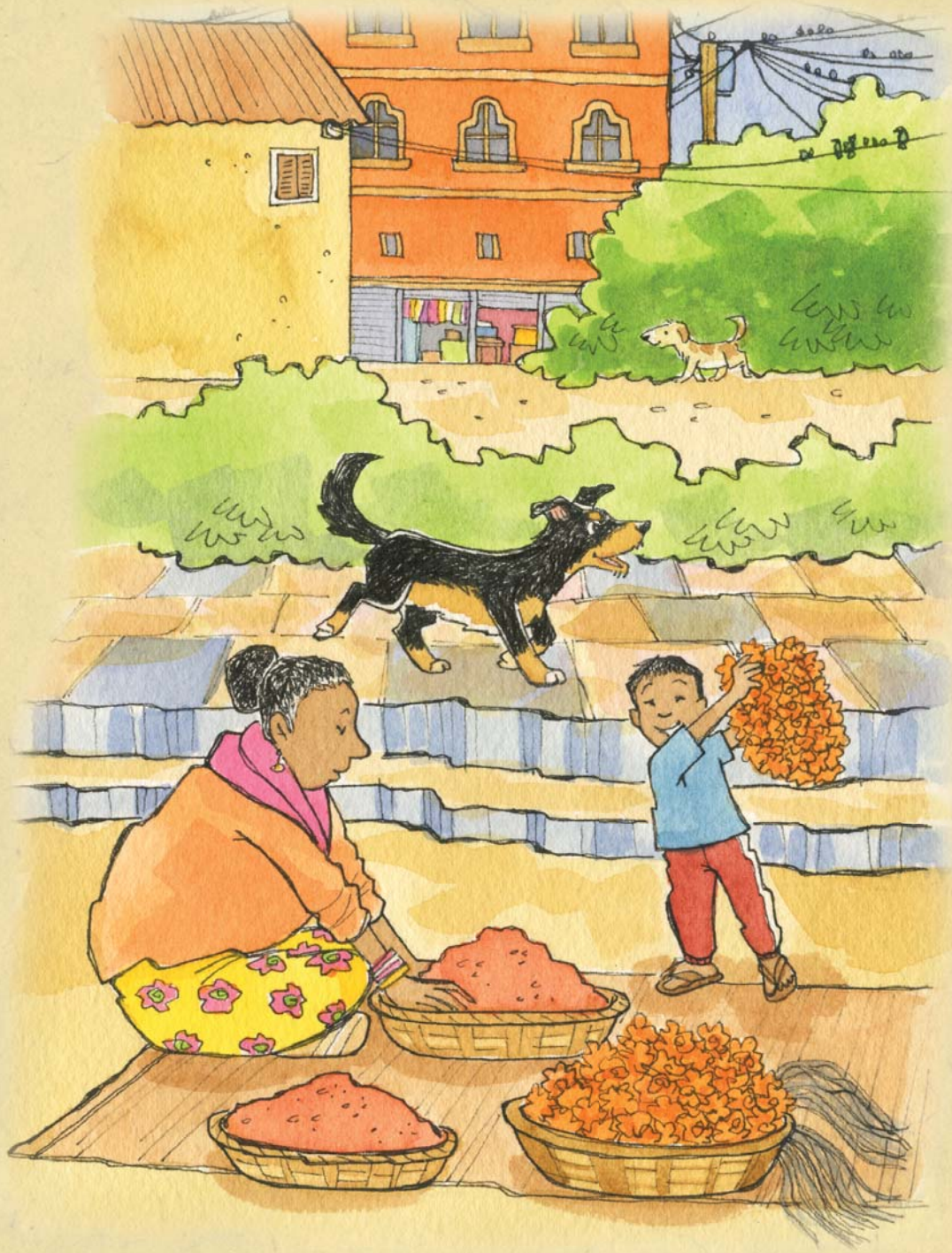

When she got to the temple she looked around and was reminded of the lady who originally brought her to Dharamsala about six months earlier.

Once Saathi was no longer a cute puppy, the lady had abandoned her at the temple, hoping that someone would feed her and take care of her.

She tried not to think about having been abandoned because it made her feel very sad.

वह जब मंदिर पहुंची और चारो तरफ देखने लगी तो उसे उस महिला की याद आयी जो उसको ६ महीने पहले धर्मशाला ले कर आयी थी।

जब साथी एक प्यारी-सी पिल्ली न रह गयी तो उसने साथी को इसी मंदिर के पास छोड़ दिया था, यह सोचकर कि कोई न कोई उसकी देख-भाल कर ही लेगा।

उसने इसके बारे में ज़्यादा ना सोचना चाहा क्यूंकि यह ख़्याल उसको बेहद दुखी बना देता था।

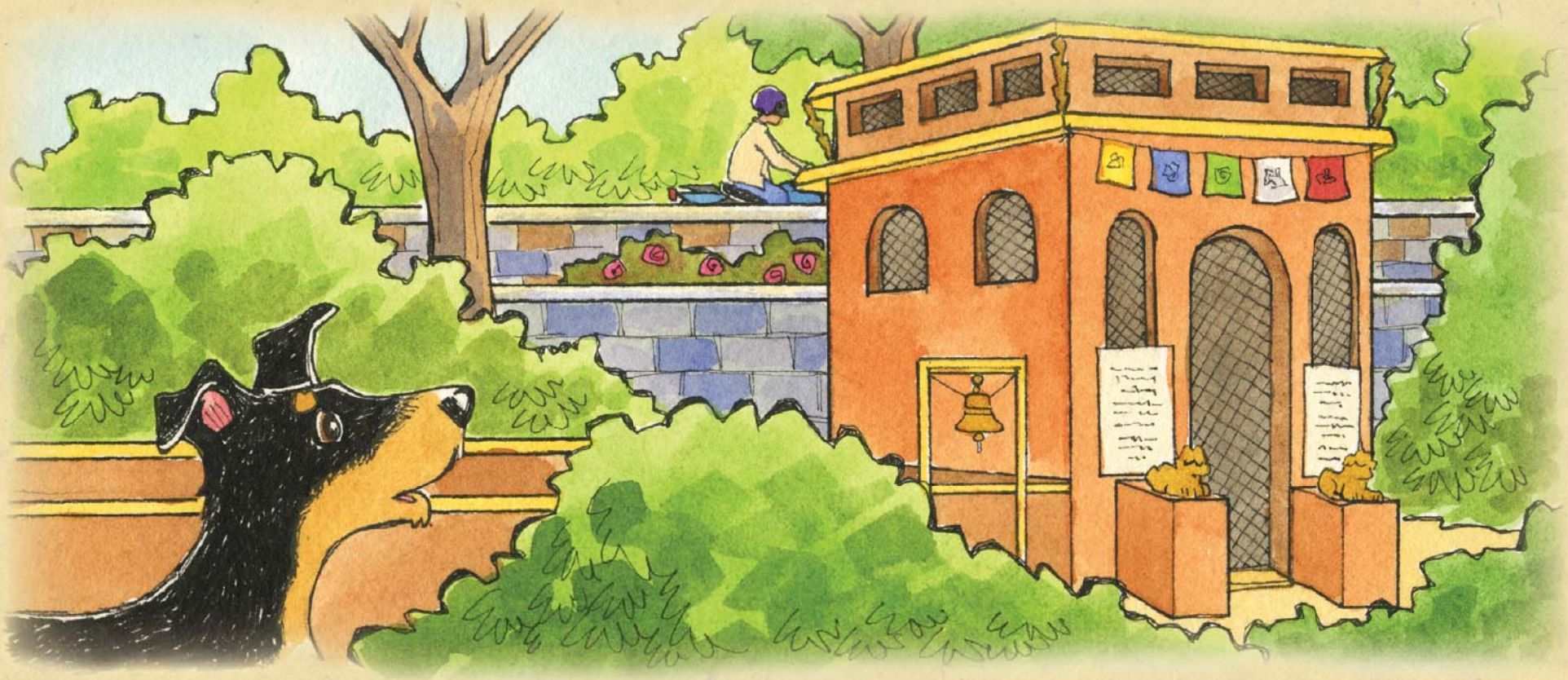

Saathi saw her friend Kamala and went over to say hello. Kamala had on a garland of beautiful orange marigolds and was eating what looked like delicious meal. Saathi thought the garland was nice, but couldn't wait to get some of the food!

Later, after Saathi had eaten her fill, she noticed that many of the dogs were lying around, eyes closed, the way you do after a good meal. That made Saathi realize how tired she was, so she headed off to find a quiet place to take a nap.

साथी ने अपनी दोस्त कमला को देखा और उसे नमस्ते करने चली गयी। कमला के गले में पीले गेंदों का हार था और वह कुछ स्वादिष्ट खा रही थी। साथी ने सोचा वह हार तो बहुत अच्छा है ही लेकिन उस स्वादिष्ट भोजन के लिए वह ज़्यादा उत्सुक थी!

जब साथी ने अपना भोजन भी खा लिया तो उसने देखा आस पास सभी कुत्ते आँखें मूंदे ज़मीन पर लेटे हुए थे, जैसे पेट भर खाने के बाद सो रहे हों। यह देख कर साथी को भी याद आया कि वह भी कितना थक गयी थी, और वह एक शांत सोने की जगह ढूंढने निकल पड़ी।

Saathi said goodbye to Kamala and all her other friends and crossed the road near the butcher's shop, just in case there were any tidbits on the ground for her to eat.

Even though she was full, Saathi had learned never to pass up a bite to eat, since she never knew where she might find her next meal!

Suddenly, out of the corner of her eye, she saw an old lady flying toward her with something in her hands.

साथी ने कमला और अपने दूसरे दोस्तों से विदा लिया और सड़क के उस पार कसाई की दुकान के पास चली गयी, शायद उसके लिए वहाँ ज़मीन पर कोई खाने के टुकड़े हों!

पेट भरा हो तब भी खाने का मौका न छोड़ना साथी ने सीख लिया था, क्यूंकि अगली बार खाना कब मिले इसका कोई हिसाब नहीं!

अचानक ही उसने देखा उसकी तरफ एक बूढ़ी औरत अपने हाथ में कुछ लिए तेज़ी से आ रही थी।

Before Saathi could get out of the way, she realized the lady was carrying a pot of boiling water. Then, she felt the hot water hit her on her back.

She yelled out in pain and took off running down the street. She couldn't imagine what she had done to make the old lady so angry! It was Kukur Tihar! The day had begun with so much promise, it seemed impossible that on a day when dogs were supposed to be honored someone could do such a cruel thing to her.

इससे पहले कि साथी दूसरी तरफ जा सकती उसने देखा कि उस औरत के हाथ में खौलते हुए पानी का एक बर्तन था। फिर उसने अपनी पीठ पर उस गरम पानी को महसूस किया।

वह दर्द में ज़ोर से चीखते हुए गली के पार भाग गयी। उसे समझ ही नहीं आया कि उसने ऐसा क्या किया जो वह औरत उस से इतनी नाराज़ हो गयी! आखिर यह कुकुर तिहार का दिन था! यह दिन इतने उम्मीदों से भरी शुरुआत ले कर आया था कि यह समझ ही नहीं आ रहा था कि कोई उसके साथ इस दिन इतनी क्रूरता से पेश क्यों आ रहा है।

Saathi was hurt and confused, and she began to feel like she might need to see a doctor. But she didn't even know if there were such things as doctors for dogs.

She was in so much pain and was moving very slowly, so she crawled behind some smelly boxes in an alley off the main road and curled into a ball. Her back felt like it was on fire, and she couldn't seem to stay awake.

As she drifted off into a restless sleep, she felt it begin to rain.

साथी बहुत दर्द और उलझन में थी, उसे लग रहा था कि उसे डॉक्टर के पास जाना पड़ेगा। पर उसे तो मालूम भी नहीं था कि कुत्तों के लिए डॉक्टर होते भी हैं या नहीं।

वह बहुत दर्द में थी और धीरे-धीरे चलते हुए वह सड़क के कोने में कुछ बदबूदार डब्बों के पीछे रेंग के बैठ गयी। उसकी पीठ मानो आग में जल रही थी और उससे आँखें खुली नहीं रखी जा रही थी। वह जैसे ही धीरे-धीरे बेचैन-सी नींद में आने लगी, बारिश शुरू हो गई।

Saathi awoke very early the next morning and lifted her head to see if it was still raining. The roof of the building protected her from getting wet.

Her back still burned from where the old lady had scalded her to chase her away.

The sun was just starting to rise over the hills surrounding Dharamsala. She wanted to get up, but her back hurt too much to move. So, she curled up and went back to sleep.

अगली सुबह साथी बहुत जल्दी उठ गयी और अपना माथा ऊपर करके देखने लगी कि बरसात रुकी या नहीं। उस बिल्डिंग की छत ने उसे भींगने से बचा लिया था।

उसकी पीठ पर अब भी जलन हो रही थी जहां उस बूढ़ी औरत ने उसे भगाने के लिए जलाया था।

धर्मशाला की पहाड़ियों के ऊपर सूरज उगने ही वाला था। वह उठना चाह रही थी लेकिन उसकी पीठ में अब भी बहुत दर्द था जिसकी वजह से वह हिल नहीं पा रही थी। तो वह गोल हो कर सो गयी।

The next time she woke up, it was nighttime, and it was raining again. She tried in vain to twist around to lick the wounds on her back, but she couldn't reach them.

She got up from where she had been lying all night and stiffly went in search of food. She hadn't eaten since yesterday morning at the Kukur Tihar celebration.

If she couldn't find any food in a garbage pile, along the road or at a butcher's shop, she would have to wait for the kind Tibetan lady who brought rice and meat to her most nights and sometimes during the day.

जब वह अगली बार उठी तो रात हो चुकी थी, और बरसात फिरसे शुरू हो गयी थी। वह पीछे मुड़कर अपने धावों को चाटने की नाकाम कोशिश करती रही लेकिन अपने घावों तक न पहुँच सकी।

वह किसी तरह वहां से उठी जहां उसने सारी रात गुज़ार दी थी और खाने की तलाश में निकल गयी। कल के कुकुर तिहार के बाद से उसने कुछ खाया नहीं था।

यदि उसे कूड़ेदान या कसाई की गली में कुछ खाने को नहीं मिलता तो उसे उस दयालु तिबत्ती महिला का इंतज़ार करना होगा जो उसे कई रातों को, और कभी-कभी दिन में भी, चावल और मीट ला कर देती थी।

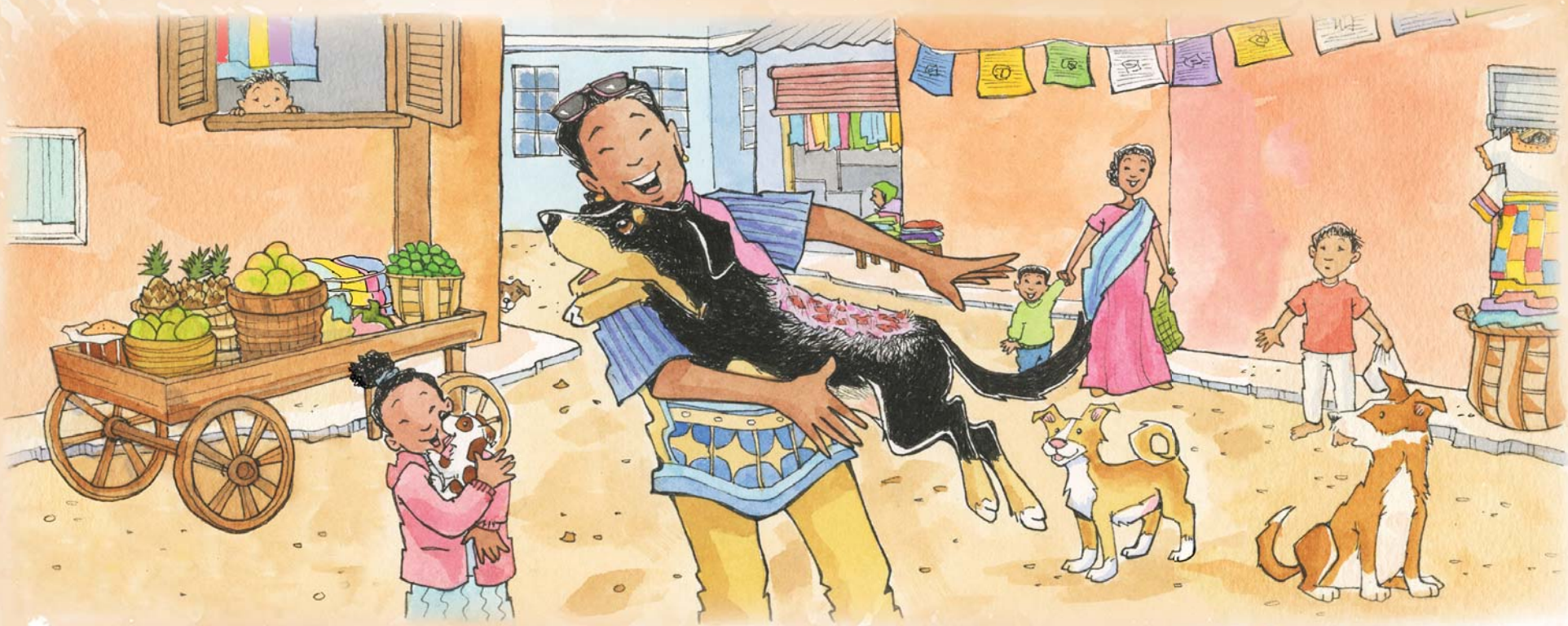

She started down the street but avoided the corner where the old lady lived. She didn't want to take any chances that the woman might try to burn her again.

She wandered around all night in search of food. The next morning, it was no longer raining, and she still had not found much to eat. Suddenly, she saw the kind Tibetan Amma who often fed her.

Saathi ran to her in relief and jumped into her arms. The woman cried with delight, "Saathi! Namaste! I have been looking all over for you! Where have you been?"

उसने गली में चलना शुरू किया लेकिन उस बूढ़ी औरत के घर के पास नहीं गयी। वह फिर से जलने का जोखिम नहीं उठा सकती थी।

वह सारी रात खाने की खोज में भटकती रही। अगली सुबह बारिश बंद हो चुकी थी और उसे अब तक खाने को कुछ नहीं मिला था। अचानक उसने उसी दयालु तिबत्ती अम्मा को देखा जो उसे खाना देती थी।

साथी उसके पास ख़ुशी से भाग कर गयी और उसकी बाहों में कूद गयी। उस महिला ने भी ख़ुशी से साथी को देखते ही कहा, "साथी! नमस्ते! मैं तुम्हें कबसे ढूंढ रही थी! तुम कहाँ चली गयी थी?"

The woman called her "Saathi" because Saathi means "companion" or "friend" in Hindi and dogs are known, the world over, as man's (and woman's) best friend!

She had only been in Dharamsala for a few months, after being brought there from her village in the mountains. Saathi missed her village and didn't like the scary and unfamiliar streets of the city.

But this was her home now, and she knew she must do what she could to survive. Especially now with her injured back.

वह महिला उसे "साथी" बुलाती थी क्यूंकि साथी का मतलब होता है "दोस्त" - और यह बात दुनिया भर में चर्चित है कि कुत्ता आदमी (और औरत का) सबसे सच्चा दोस्त होता है!

वह धर्मशाला में कुछ ही महीनों से थी जब से उसे पहाड़ों में बसे उसके गाँव से लाया गया था। साथी को अपने गाँव की बहुत याद आती थी, और उसे शहर की यह अनजान डरावनी गलियाँ बिल्कुल पसंद नहीं थी।

पर अब यही उसका घर था, और वह जानती थी कि उसे यहां जीने के लिए जो हो सके करना ही पड़ेगा। खासकर कि अब अपनी जली हुई पीठ के साथ।

When the Aama touched her back, Saathi let out a loud yelp and jumped to the ground. The woman then saw how red and raw her back was.

"Oh my!", she said, "We need to take you right away to the clinic at the dog shelter so they can treat your burns. I will call the animal rescue ambulance and hopefully they will be able to come pick you up!" She looked lovingly at Saathi and held her face.

"I would love to take you home with me, but I already have five dogs and there isn't space for another one. Besides, my dogs are not very friendly and might not welcome someone new."

जब अम्मा ने उसकी पीठ छुई तो साथी ज़ोर से चिल्ला के कूद पड़ी। फिर उस महिला ने देखा कि उसकी पीठ कितनी लाल और जली हुई थी।

"हे भगवान्!", वह बोली, "हमें जल्द से जल्द तुम्हें डॉग शेल्टर के क्लिनिक में ले जाना चाहिए ताकि वे तुम्हारे घाव का इलाज कर सकें। मैं अभी एनिमल रेस्क्यू को फ़ोन करके बुलाती हूँ, उम्मीद है वे आकर तुम्हें जल्दी ही ले जायंगे।" उसने प्यार से साथी की तरफ देखा और उसके चेहरे पर हाथ फेरा।

"मैं तुम्हें अपने साथ घर ले जाना चाहती हूँ पर मेरे घर पर पहले से ही पांच और कुत्ते हैं और एक और की जगह भी नहीं है। और मेरे कुत्ते इतने दोस्ताना भी नहीं कि किसी नए कुत्ते को अपना सकें।"

When the ambulance arrived, the Aama picked Saathi up and put her inside for the short ride to the dog shelter.

As she watched the ambulance drive away, the woman knew that Saathi would get the care she needed. Then she turned and headed home to start preparing meals for the street dogs that she fed every day – a hearty mixture of rice, lentils and some meat.

Back in the ambulance, Saathi realized that she still hadn't eaten anything and hoped that wherever they were taking her, they would have something there for her to eat.

जब एम्बुलेंस आयी तो अम्मा ने साथी को उठा कर उस में डॉग शेल्टर तक के छोटे से सफर के लिए बिठाया।

अम्मा जानती थी कि अब साथी को सही देखभाल मिल जाएगी। फिर वह अपने घर की तरफ निकल गयी उन सभी कुत्तों के लिए खाना तैयार करने जिन्हें वह रोज़ खिलाती थी - चावल, मीट और दाल का एक मिश्रण।

रास्ते में साथी को फिर ध्यान आया कि उसने बहुत देर से कुछ खाया नहीं था, उसने आशा की कि वह जहाँ भी उसे लेकर जा रहे हैं वहां कुछ खाने को मिल जायेगा।

When the ambulance arrived at the dog shelter, a young woman in a purple t-shirt came out and opened the door of the ambulance. She gently picked Saathi up and took her into the clinic and put her on a table.

The woman, a veterinarian, started cleaning Saathi's burns with something, that was very cold, but which felt good to the injured dog. After cleaning and drying her back, the woman put some medicine on Saathi's back. She told Saathi that it would help to heal her burns.

When the veterinarian had finished her work, she called someone to come get Saathi.

जब एम्बुलेंस डॉग शेल्टर पहुंची तो एक बैंगनी रंग के कपड़े पहने लड़की ने आ कर एम्बुलेंस का दरवाज़ा खोला। उसने आराम से साथी को उठाकर अंदर क्लिनिक में एक मेज़ पर रखा।

वह एक पशु चिकित्सक थी, उसने साथी के घाव साफ़ करने शुरू किये। वह किसी ठंडी-सी चीज़ से उसके घाव साफ़ कर रही थी जो साथी को बहुत आराम दे रहा था। साफ़ करने और सुखाने के बाद उसने साथी के घावों पर दवा लगायी। उसने साथी को बताया कि इससे उसके घाव जल्दी ठीक हो जायेंगे।

जब उस डॉक्टर ने अपना काम कर दिया तो उसने किसी को साथी को वहां से ले जाने के लिए बुलाया।

A young boy with shaggy black hair and kind eyes came into the clinic and carefully lifted Saathi into his arms. He carried her outside to a courtyard with several kennels, filled with a lot of barking dogs.

She was put into a cage with a sweet, blonde dog who she found out was named Karma. They sniffed each other and then Saathi went to lie down and rest. She was very tired, and she hadn't slept in hours.

Karma looked over at Saathi curiously and asked her, "Why are you here?"

"I was burned on my back with hot water," Saathi said softly. Then she noticed that her new friend only had one eye. "What happened to your eye?"

एक छोटा बिखरे बालों वाला लड़का क्लिनिक में आया और साथी को बहुत सावधानी से अपनी बाहों में उठा कर ले गया। वह उसको बाहर एक मैदान में ले गया जहां बहुत से कुत्तों के घर थे और बहुत से भौंकते हुए कुत्ते भी।

उसको एक प्यारी-सी सफ़ेद कुत्तिया के साथ पिंजरे में डाल दिया गया जिसका नाम कर्मा था। उन दोनों ने एक दूसरे को सूंघा और फिर साथी सोने के लिए लेट गई। वह बहुत थकी हुई थी, उसने कई घंटों से नींद भी नहीं ली थी।

कर्मा ने साथी को जिज्ञासा भरी नज़रों से देखते हुए पूछा, "तुम यहां क्यों आयी हो?"

"मेरी पीठ गरम पानी से जल गई थी।" साथी ने धीरे-से कहा। फिर उसने देखा कि उसकी नयी दोस्त के पास केवल एक ही आँख थी। "तुम्हारी आँख को क्या हुआ?"

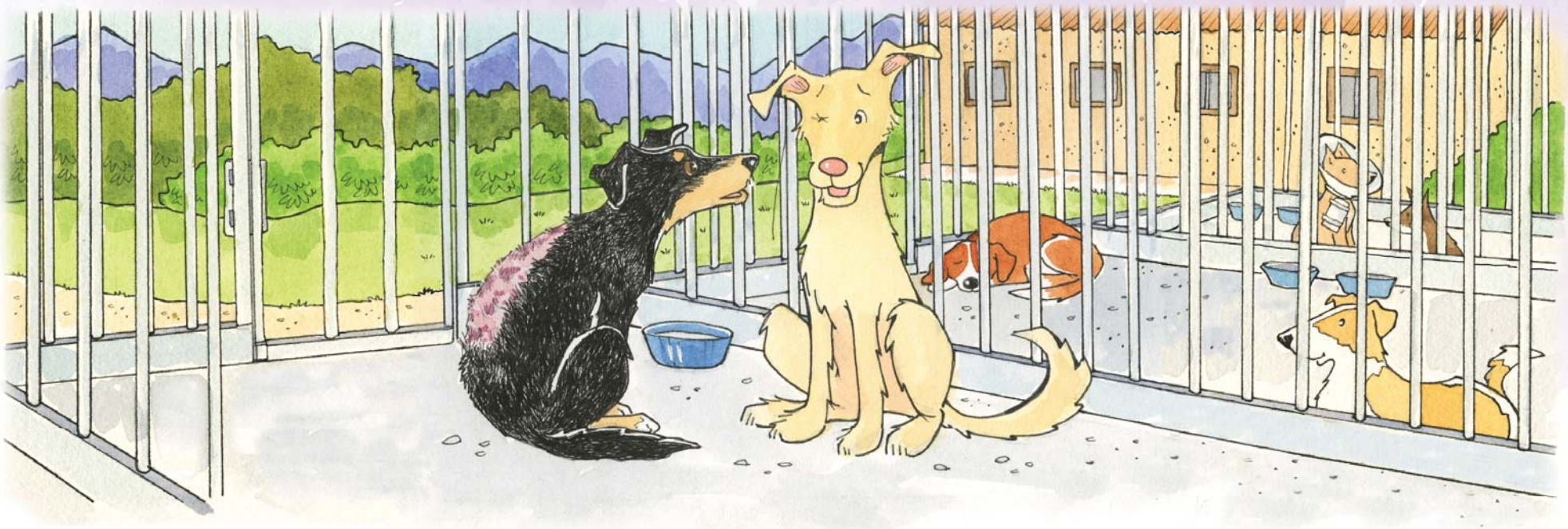

Karma looked at Saathi with her one good eye and told her that a few weeks earlier, while she and some dog friends were in front of a butcher shop hoping for a piece of tossed meat, one of the shopkeepers tried to scare away the dogs with a sharp knife.

Karma shrugged at Saathi. "I was in the wrong place at the wrong time," she said. "And the knife slashed into my forehead close to my eye."

कर्मा ने अपनी एक आँख से उसकी तरफ देखा और बताया कि कुछ हफ़्तों पहले जब वह और उसके कुछ दोस्त कसाई की दुकान के सामने कुछ खाने को खोज रहे थे तो कसाई ने उन्हें एक धारीले चाक़ू से डराने की कोशिश की।

कर्मा ने कहा, "मैं बस ग़लत समय पर ग़लत जगह पर थी। और वह चाक़ू मेरे माथे में घुस के मेरी आँख को लग गया।"

When Karma woke up in the clinic at the dog shelter, she could only see out of one eye. "Don't feel sorry for me", Karma said to Saathi, "I am not the only one. There are lots of other one-eyed dogs around here. Many of the dogs here have been abused. There are even others like you with scars on their backs."

"You know, dogs are often not treated very well here in India. Not all people like dogs, and only some of them honor us on Kukur Tihar. Not everyone celebrates the festival. The rest of the year they don't really care about us."

"Really?" said Saathi, "That makes me very sad."

"It is sad," said Karma. "But we'd be a lot worse off without places like this dog shelter."

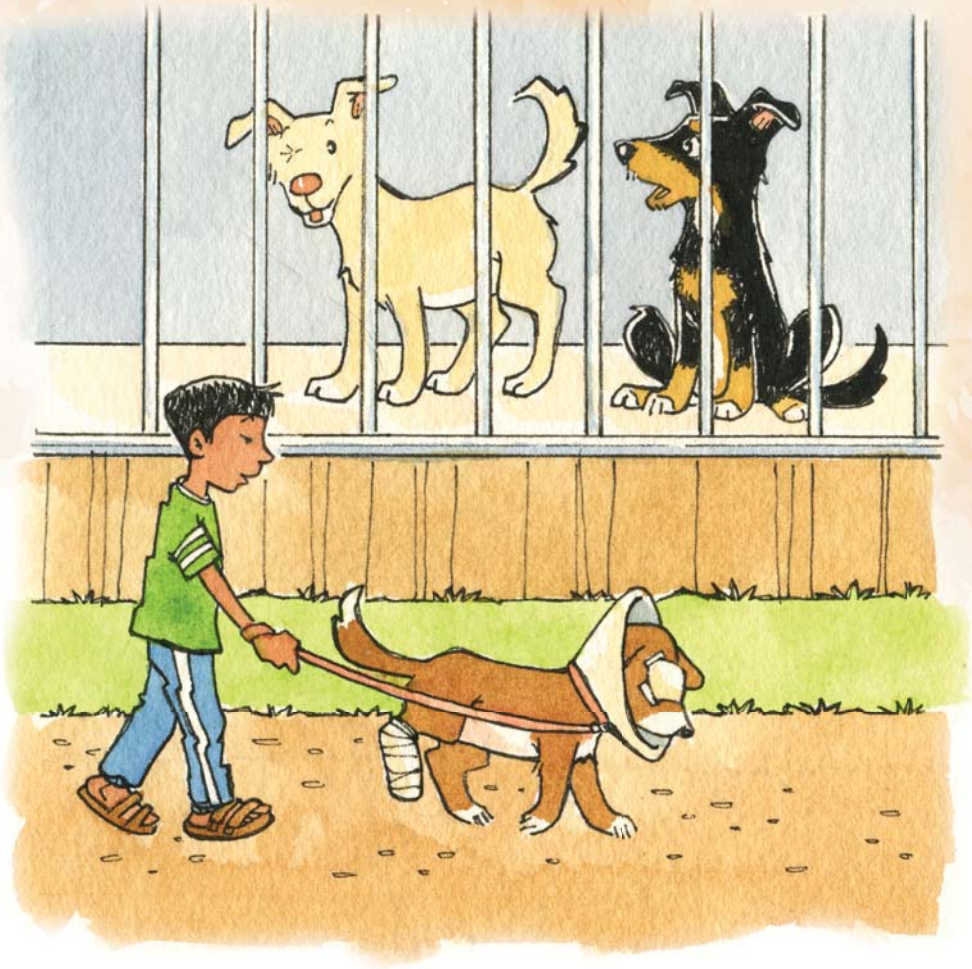

जब कर्मा क्लिनिक में उठी तो वह केवल एक ही आँख से देख पा रही थी। "मेरे लिए उदास मत हो।" कर्मा ने साथी से कहा, "मैं अकेली नहीं हूँ, यहां बहुत-से एक आँख वाले कुत्ते हैं। यहां ज़्यादातर कुत्ते प्रताड़ित ही हैं। यहां तो तुम्हारी तरह पीठ पर घाव वाले भी कई हैं।"

"तुम्हें पता है यहां भारत में कुत्तों के साथ इतना अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता। कुत्तों को सब पसंद नहीं करते, और कुछ ही ऐसे हैं जो कुकुर तिहार पर सम्मानित करते हैं। सब यह त्यौहार नहीं मनाते। और साल के बाकी दिन तो किसी को हमारी कोई परवाह नहीं होती।"

"सच में?", साथी ने कहा, "यह सुनकर तो मुझे बहुत दुःख हो रहा है।"

"यह दुःख की ही बात है," कर्मा ने कहा। "लेकिन यह डॉग शेल्टर जैसी जगहों के बिना तो हम और भी बुरी हालत में होते।"

Saathi looked around at the other dogs. "What IS this place?" she asked. "They call it the Dharamsala Animal Rescue (DAR), but there are many other dog shelters just like this one all over India.

There are even some organizations in other countries, that help raise money to improve dog welfare throughout India. People all over the world care about us. The money they raise supports the animal birth control (ABC) programs to control the street dog population and they vaccinate us against rabies and other diseases.

All of these things really help to improve the lives of dogs like us throughout India.

साथी ने आस-पास के और कुत्तों को देखा। "आखिर यह क्या जगह है?" उसने पूछा। "वे इसे धर्मशाला एनिमल रेस्क्यू (डी ऐ आर) बुलाते हैं, लेकिन ऐसे ही कई और डॉग शेल्टर भारत में हैं।

दूसरे देशों में तो ऐसी कई संस्थाएं भी हैं जो भारत के कुत्तों के हालात सुधारने के लिए पैसे भी इकट्ठा करती हैं। दुनिया भर में सभी हमारी बहुत परवाह करते हैं। जो पैसे वे इकट्ठा करते हैं उसे एनिमल बर्थ कण्ट्रोल में इस्तेमाल किया जाता है जिस से गली के कुत्तों की संख्या को नियंत्रित रखा जा सके। वे हमें रेबीज़ और उसकी जैसी और बीमारियों की वैक्सीन भी लगवाते हैं।

यह सारी चीज़ें भारत के कुत्तों के जीवन की बेहतरी में बहुत सहायता करती हैं।

Karma got up from her bed. “It’s almost 10’oclock! That’s when we have our morning play time. They let us out of the kennels so we can play with the other dogs! I’ll introduce you to my friends Tashi and Momo!”

When they got to the garden Karma introduced Saathi to both of her friends. Tashi was a little white dog, and Momo was bigger with white and tan spots.

Both dogs told their stories to Saathi, about the injuries they’d suffered on the streets that had changed their lives forever.

कर्मा अपने बिस्तर से उठ गयी। “दस बजने ही वाले हैं! सुबह के खेलने का समय होने वाला है। वे हमें हमारे कुत्ता-घरों से बाहर निकालेंगे ताकि हम दूसरे कुत्तों के साथ खेल सकें। मैं तुम्हें अपने दोस्तों ताशी और मोमो से भी मिलवाऊंगी!”

जब वे बगीचे में पहुंचे तो कर्मा ने साथी को अपने दोनों दोस्तों से मिलवाया। ताशी एक छोटा सफ़ेद रंग का कुत्ता था और मोमो बड़ा और सफ़ेद व भूरे रंग के धब्बों वाला था।

दोनों कुत्तों ने साथी को अपनी ज़िन्दगी बदल देने वाले ज़ख्मों की कहानियां बतायीं।

Tashi started by telling Saathi about the day a man attacked him with a big stick. He was looking for food on the street, when a man suddenly came up to him and began beating him on the head. He was badly injured and bloody.

Tashi said he ran away to another street where he hid inside the gates of a temple. He stayed there all that day and through the night. In the morning, some monks found him and brought him to the clinic at the dog shelter for treatment.

The people in the clinic washed him and took care of his injuries, he said. "That was a few months ago, and I have been here ever since."

ताशी ने साथी को उस दिन के बारे में बताना शुरू किया जब एक बूढ़े आदमी ने उस पर डंडे से वार किया था। वह सड़क पर खाने की तलाश कर रहा था जब अचानक ही उस आदमी ने उसके माथे पर डंडे मारने शुरू कर दिए। वह बहुत बुरी तरह से घायल हो गया था, उसका बहुत खून बह चुका था।

ताशी ने बताया कि वह दूसरी सड़क की ओर भाग कर एक मंदिर के दरवाज़ों के पीछे जा छिपा। वह सारा दिन और सारी रात वहीं छिपा रहा। अगली सुबह उसे कुछ मठवासी डॉग शेल्टर के क्लिनिक में इलाज के लिए ले आये।

उसने बताया कि क्लिनिक के लोगों ने उसके घाव धो कर उसकी देखभाल की। "यह कुछ महीनों पहले की बात है, और मैं तबसे यहीं रह रहा हूँ।"

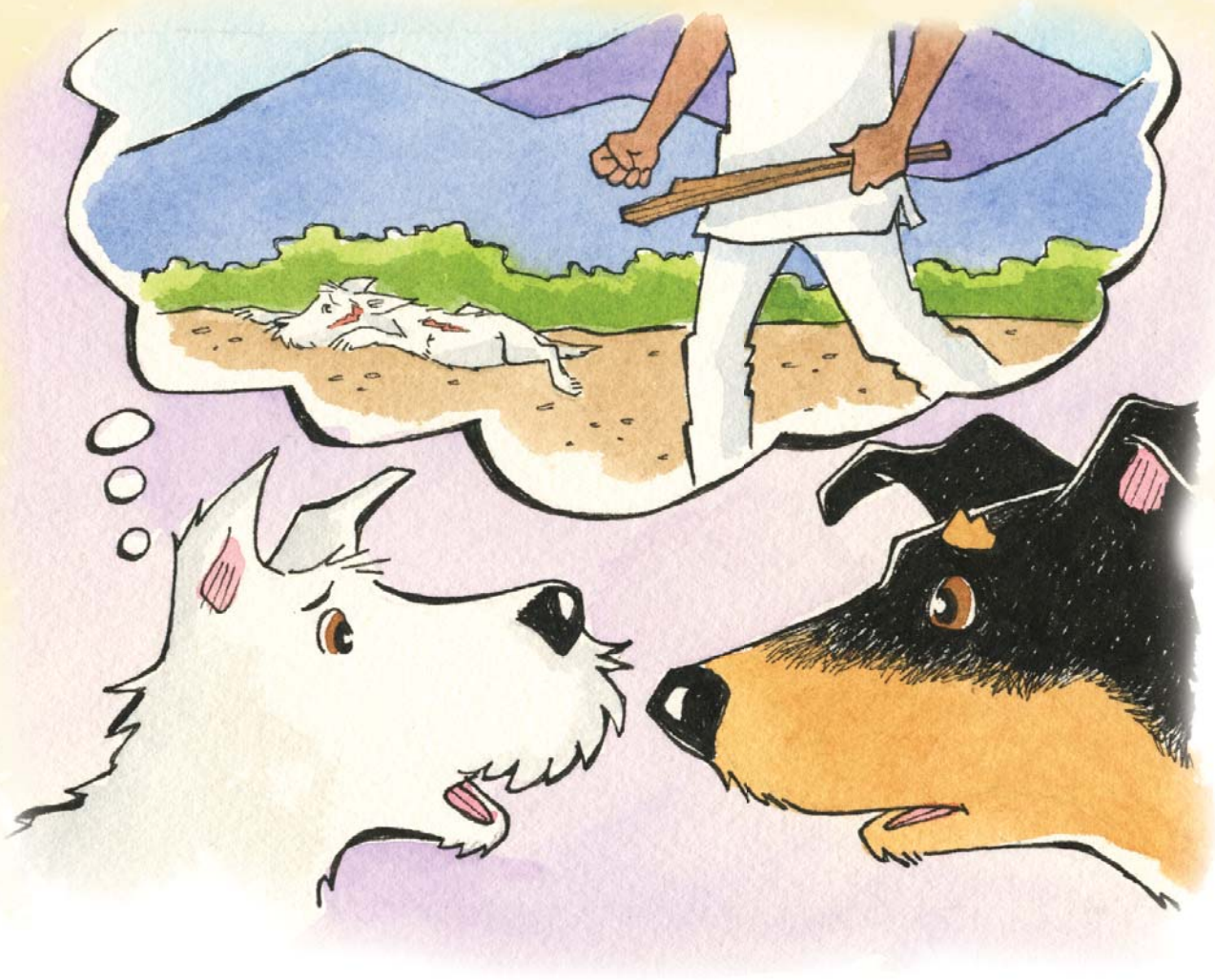

Momo, the big white dog with tan spots, then told his story.

"I, too, was just minding my own business, running down the side of the road, when suddenly, out of nowhere, a vehicle ran into me from behind, and I was thrown to the side of the road. Someone gave me first aid on the roadside, then, an ambulance came and brought me here, where they operated on my broken leg.

"It is almost better," Momo added, stretching one of his back legs for his audience. "But I am still limping a bit."

फिर मोमो, बड़े सफ़ेद और भूरे धब्बों वाले कुत्ते, ने अपनी कहानी सुनाई।

"मैं भी अपनी ही धुन में मस्त इधर से उधर सड़क के किनारे चला जा रहा था जब अचानक ही एक गाड़ी भागती हुई मेरे पीछे से टकरा गई, और मैं सड़क के उस पार जा गिरा।" किसी ने वहीँ सड़क किनारे मुझे प्राथमिक चिकित्सा दी और फिर एक एम्बुलेंस आ कर मुझे यहां ले आई, जहां इन्होंने मेरे टूटे हुए पैर का इलाज किया।"

"अब यह लगभग ठीक हो चुका है," मोमो ने अपनी टांग खींच कर दिखाते हुए बताया। "पर अब भी मैं थोड़ा लंगड़ा रहा हूँ।"

The four new friends were still visiting when a big brown dog approached the group and introduced himself. He smiled at Saathi, and in a deep, gentle voice, he said, "I'm Yogi. It's nice to meet you."

Saathi introduced herself to Yogi and said, "What happened to you? What brought you here?"

Karma spoke up, even before Yogi could open his mouth. "Oh, it was awful! Yogi, tell Saathi what happened to you!"

"Well," said Yogi, "I was lying by the side of the road when a man came up to me with a knife and kicked me! Then he slashed my leg with his big kukuri knife. It was bad, and I lost a lot of blood! But the people here at the clinic took good care of me."

Yogi continued his story for the spellbound group. "When I woke up from surgery, I had a big white thing around my head. It was so strange, and it made it hard to lick my leg. I've been recovering here for a few weeks now!"

वे चारों नए दोस्त अब भी घूम ही रहे थे कि तभी वहां एक बड़ा-सा भूरे रंग का कुत्ता आया और अपना परिचय दिया। उसने साथी की तरफ मुस्कुरा कर कहा, "मेरा नाम योगी है। आपसे मिलकर बहुत ख़ुशी हुई।"

साथी ने भी योगी को अपना परिचय दिया और उस से पूछा, "आपके साथ क्या हुआ? आप यहां कैसे आये?"

योगी कुछ कहता उससे पहले ही कर्मा ने कहा, "अरे! वह तो बहुत ही भयानक था, योगी बताओ क्या हुआ था तुम्हारे साथ!"

"खैर, मैं तो बस सड़क के किनारे लेटा हुआ था जब एक आदमी चाक़ू ले कर मेरे पास आया और मुझे लात मारने लगा! फिर उसने अपनी बड़ी-सी छूरी से मेरी टांग काट दी। वह बहुत ही बुरा था, मेरा बहुत खून भी बहा। लेकिन यहां क्लिनिक के लोगों ने मेरी अच्छी देखभाल की।"

योगी उस मंत्रमुग्ध समूह के सामने अपनी कहानी बोलता चला गया। "जब मैं इलाज के बाद उठा तो मेरे माथे पर एक बड़ी-सी सफ़ेद चीज़ थी। वह बहुत ही अजीब था, उसकी वजह से मैं अपनी टाँगे भी नहीं चाट पा रहा था। मैं अब यहां कुछ हफ़्तों से इलाज करवा रहा हूँ।"

Yogi quickly added, "I hope the fur will grow back to hide the big scar that I have now! I am praying that it won't stop someone from taking me home to live with them. I want to be adopted by a loving family!"

Saathi cocked her head "Yogi, what do you mean?"

"Yeah, Yogi" said the others, "what does it mean to be 'adopted'?"

"काश मेरे बाल मेरे इस बड़े से निशाँ को ढक दें! मैं प्रार्थना करता हूँ कि इसकी वजह से कहीं ऐसा न हो कि कोई मुझे अपने घर ले जाने से मना करदे। मैं एक प्यारे-से परिवार का हिस्सा बनना चाहता हूँ।"

साथी ने अपना सर टेढ़ा करते हुए पूछा, "योगी, इससे तुम्हारा क्या मतलब?"

"हाँ, योगी" बाकियों ने भी पूछा, "परिवार का हिस्सा मतलब?"

Yogi looked at his friends "Adopting is what happens when a family comes here to look for a dog that they want to take home to live with them," he said.

"Last week, my friend Loki, a black and brown dog from Ladakh, was adopted by a Tibetan family here in Dharamsala. Loki had come here after someone threw stones at him and tried to poison him! But he survived, and now he lives inside a home with two children who play with him every day.

They also feed him twice a day and give him plenty of water. He never goes hungry anymore and he has a safe and dry bed to sleep on at night. He has a good life now."

योगी ने अपने दोस्तों की तरफ देखा और कहा, "परिवार का हिस्सा मतलब कोई न कोई परिवार यहां आ कर अपने मनपसंद कुत्ते को गोद लेकर अपने घर ले जाता है।"

"पिछले हफ्ते ही मेरे लदाख के दोस्त काले भूरे लोकि को एक तिबत्ती परिवार गोद ले कर यहीं धर्मशाला में रहने चला गया। लोकि यहां आया था जब उसको किसी ने पत्थरों से मारा और ज़हर देने की कोशिश की थी! लेकिन वह बच गया, और आज वह एक घर में दो बच्चों के साथ रहता है जो उसके साथ रोज़ खेलते हैं।

वे उसे दिन में दो बार खाना और न जाने कितनी बार पानी भी देते हैं। वह अब कभी भूखा नहीं रहता और उसके पास एक सुरक्षित सूखा बिस्तर भी है रात को सोने के लिए। अब उसकी ज़िन्दगी काफी बेहतर हो गई है।"

Saathi looked at Yogi and said "I can't even imagine what that must be like…. to live inside a home and have a real bed."

"It must be great not to have to beg for food every day or live in fear that someone is going to hurt you while you're sleeping! Ever since I got burned, I've had nightmares about it happening again! I don't know what I'm going to do when I have to go back out onto the street. I feel safe here. I wish I never had to leave."

Yogi spoke up again and said, "Don't worry Saathi maybe you will get adopted soon too."

साथी ने योगी की तरफ देखते हुए कहा, "मैं तो सोच भी नहीं सकती कि एक घर और एक असली बिस्तर होना कैसा होता होगा।"

"अच्छा ही होता होगा, भूख में खाने के लिए भीख ना माँगना और रात में बिना डरे सोना कि कोई तुम्हें आ कर कहीं मार न दे! जबसे मैं जली हूँ तबसे मुझे डरावने सपने आते हैं कि मैं फिरसे जल गई! पता नहीं मैं जब वापिस बाहर जाउंगी तो कैसे बच कर रहूंगी। मुझे यहीं सुरक्षित महसूस होता है। मैं यहां से कभी नहीं जाना चाहती।"

योगी ने फिरसे कहा, "चिंता मत करो साथी, हो सकता है तुम्हें यहीं कोई गोद लेले।"

The next day was a beautiful sunny day in Dharamsala and all of the volunteers got to the dog shelter bright and early.

The dogs could tell that something was going on, but they weren't sure what it was. Then they learned that this was the day when people came to visit, to look for a dog they might want to adopt into their family.

The dogs were all given baths, while other volunteers brushed them. Someone then placed new collars around their necks and they were ready to meet the visitors.

Saathi wasn't sure what to do, so she just sat very still, hoping that someone would come over to visit her.

अगली सुबह धर्मशाला में एक सुन्दर धूप वाली सुबह थी और शेल्टर के सभी वालंटियर्स सुबह-सुबह ही आ गये थे।

कुत्तों को लग रहा था कि कुछ तो चल रहा है, लेकिन वे समझ नहीं पा रहे थे कि वह क्या था। फिर उन्हें पता चला कि आज वही दिन था जब लोग अपने लिए कोई कुत्ता गोद ले जाने को आने वाले थे।

सभी कुत्तों को उस दिन वालंटियर्स नहला रहे थे और ब्रश करवा रहे थे। फिर किसी ने उनके गले में नए कॉलर्स लगाए जिसके बाद सभी मेहमानों से मिलने के लिए तैयार थे।

साथी को पता नहीं था कि क्या करे, तो बस वह चुप-चाप एक ही जगह पर बैठी रही, इस उम्मीद में कि कोई उसके पास उससे मिलने आ जायेगा।

At 10 a.m., people started arriving at the dog shelter. Some couples had no children, but some families came with a little boy or girl.

Saathi watched each person carefully and wondered if they would be the family who would adopt her? She still didn't fully understand what it meant to be 'adopted', but from what the other dogs said, it sounded pretty good.

Out of the corner of her eye, Saathi saw a lady and a little boy coming toward her. The boy had on a blue shirt and he was holding a piece of paper. It was the list with the names of the dogs available for adoption.

They were coming to meet Saathi.

दस बजे से शेल्टर में लोग आने लगे। कुछ लोगों के साथ बच्चे नहीं थे लेकिन बहुत-से परिवार बच्चों के साथ भी आये थे।

साथी सभी को बहुत ध्यान से देख रही थी और सोच रही थी कि उसका नया परिवार इनमें से कौन-सा होगा? उसे अभी भी ठीक से पता नहीं था कि किसी परिवार के गोद लेने का क्या मतलब होता है। लेकिन जो भी बाकी सबसे उसने सुना था, वह अच्छा ही लग रहा था।

उसने अपनी तिरछी नज़र से एक औरत और एक छोटे बच्चे को अपनी ओर आते देखा। बच्चे ने नीले रंग की कमीज पहनी हुई थी और उसके हाथ में एक कागज़ था। वह सभी उपलब्ध कुत्तों के नामों की एक लिस्ट थी।

वह साथी से मिलने आ रहे थे।

Saathi got very excited. She liked the look of these people and hoped that they would like her too. The volunteer holding Saathi whose name was Sarita, motioned to the mother and child to come over and say hello.

The woman took the boy's hand and led him to Saathi. She told him to bend down and let Saathi sniff him first. The mother showed the boy how to scratch Saathi under her chin instead of patting her head.

"He's a little afraid of dogs", the mother told Sarita. "His older cousin was bitten by a dog."

साथी बहुत खुश होने लगी। वे उसे देखने में अच्छे लग रहे थे और वह चाहती थी कि वे भी उसे पसंद कर लें। साथी की वालंटियर सरिता ने उन माँ-बेटे को पास आकर साथी को नमस्ते करने के लिए बोला।

वह औरत उस बच्चे का हाथ पकड़ कर उसे साथी के पास लायी। उसने अपने बेटे को झुक कर पहले उसे खुदको साथी को सूंघने देने को कहा। उसने उसे यह भी सिखाया कि सर पर हाथ फेरने की बजाय साथी कि ठोड़ी कैसे खुजायी जाए।

"इसे कुत्तों से थोड़ा डर लगता है," माँ ने सरिता को बताया। "इसके बड़े भाई को कुत्ते ने काट लिया था।"

Sarita looked at the boy. “What is your name?” she asked.

“My name is Prasad,” said the boy. “I’m eight years old.” Sarita, took Prasad’s hand and showed him how to stroke Saathi’s fur very gently. Sarita noticed how Saathi was sitting very still with her eyes closed, letting Prasad stroke her.

The boy looked up at his mother with a wide smile on his face. “Amma, I like this dog! She seems very gentle! I am not afraid of her. Can we take her home with us?”

Prasad’s Mother turned to Sarita and asked, “What do we need to do to adopt this dog?”

सरिता ने उस बच्चे की तरफ देखा और पूछा, “तुम्हारा नाम क्या है?”

“मेरा नाम प्रसाद है। मैं ८ साल का हूँ।” उसने जवाब दिया। सरिता ने प्रसाद का हाथ पकड़ कर उसे साथी के बालों पर सहलाना सिखाया। सरिता ने देखा कि साथी भी आराम से बैठ कर प्रसाद को सहलाने दे रही थी।

बच्चे ने अपनी माँ की तरफ मुस्कुराते हुए देखा। “अम्मा! मुझे यह बहुत अच्छी लगी। यह बहुत ही प्यारी है। मुझे इससे बिल्कुल भी डर नहीं लग रहा। क्या हम इसे घर ले जा सकते हैं?”

प्रसाद की माँ ने सरिता से पूछा, “हमें इस कुत्ते को गोद लेने के लिए क्या करना होगा?”

Saathi's ears perked up when she heard the word "adopt". She wasn't sure but she thought they were going to take her home with them. Suddenly she realized she might not be able to say goodbye to her friends.

She looked around for Karma, Kamala, Tashi, Momo and Yogi, but she didn't see them. Sarita and Prasad's Amma spoke for a few more minutes and then she handed the nylon leash to Prasad's mother and they all began walking down the path to leave the dog shelter.

Saathi turned and saw Sarita waving goodbye, and off in the distance she saw her friends wagging their tails in happiness.

"गोद" शब्द सुनते ही साथी के कान खड़े हो गए। उसे लगा शायद वे उसे अपने साथ घर ले ही जायेंगे। अचानक उसे याद आया कि शायद वह अपने दोस्तों को विदा नहीं कर पाएगी।

उसने आस-पास कर्मा, कमला, ताशी, मोमो, और योगी को ढूँढा लेकिन वे नहीं मिले। सरिता और प्रसाद की माँ ने थोड़ी देर और बात की और फिर सरिता ने साथी का पट्टा उसकी माँ के हाथ में थमा दिया और वे डॉग शेल्टर से बाहर की ओर चलने लगे।

साथी ने पलट कर देखा तो सरिता उसे हाथ हिलाते हुए विदा कर रही थी, और दूर ही उसके दोस्त भी ख़ुशी से अपनी पूंछें हिला रहे थे।

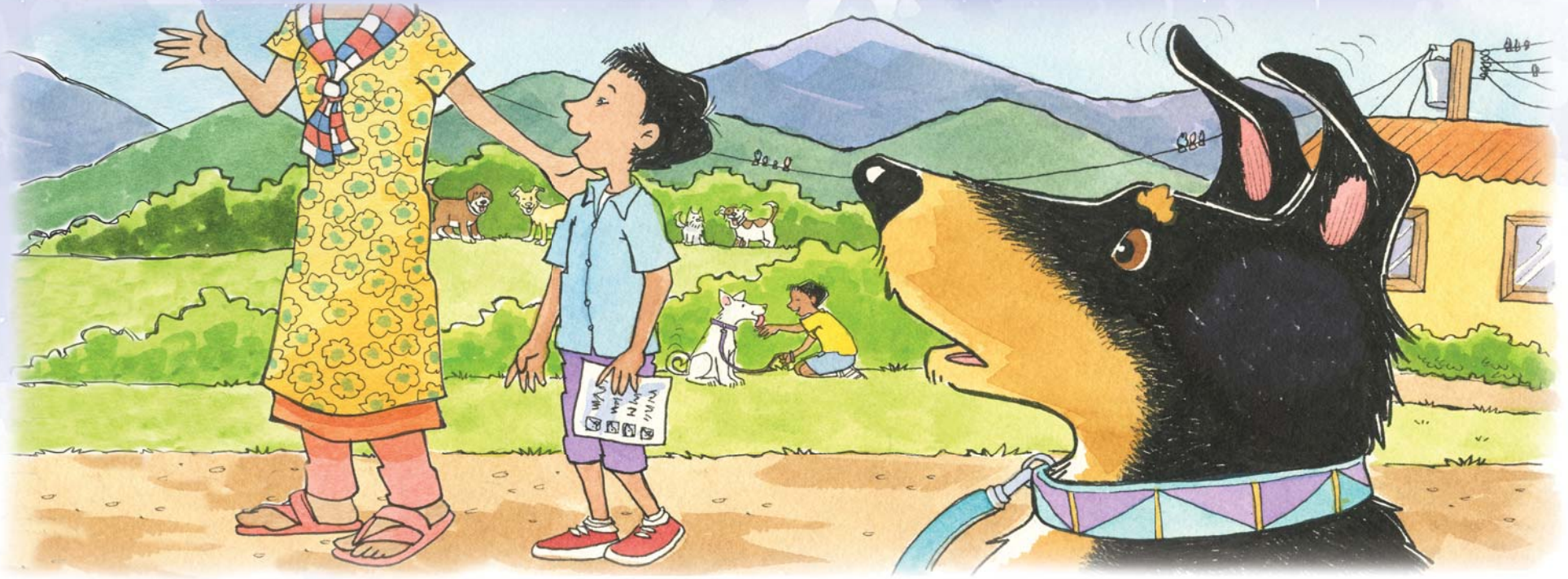

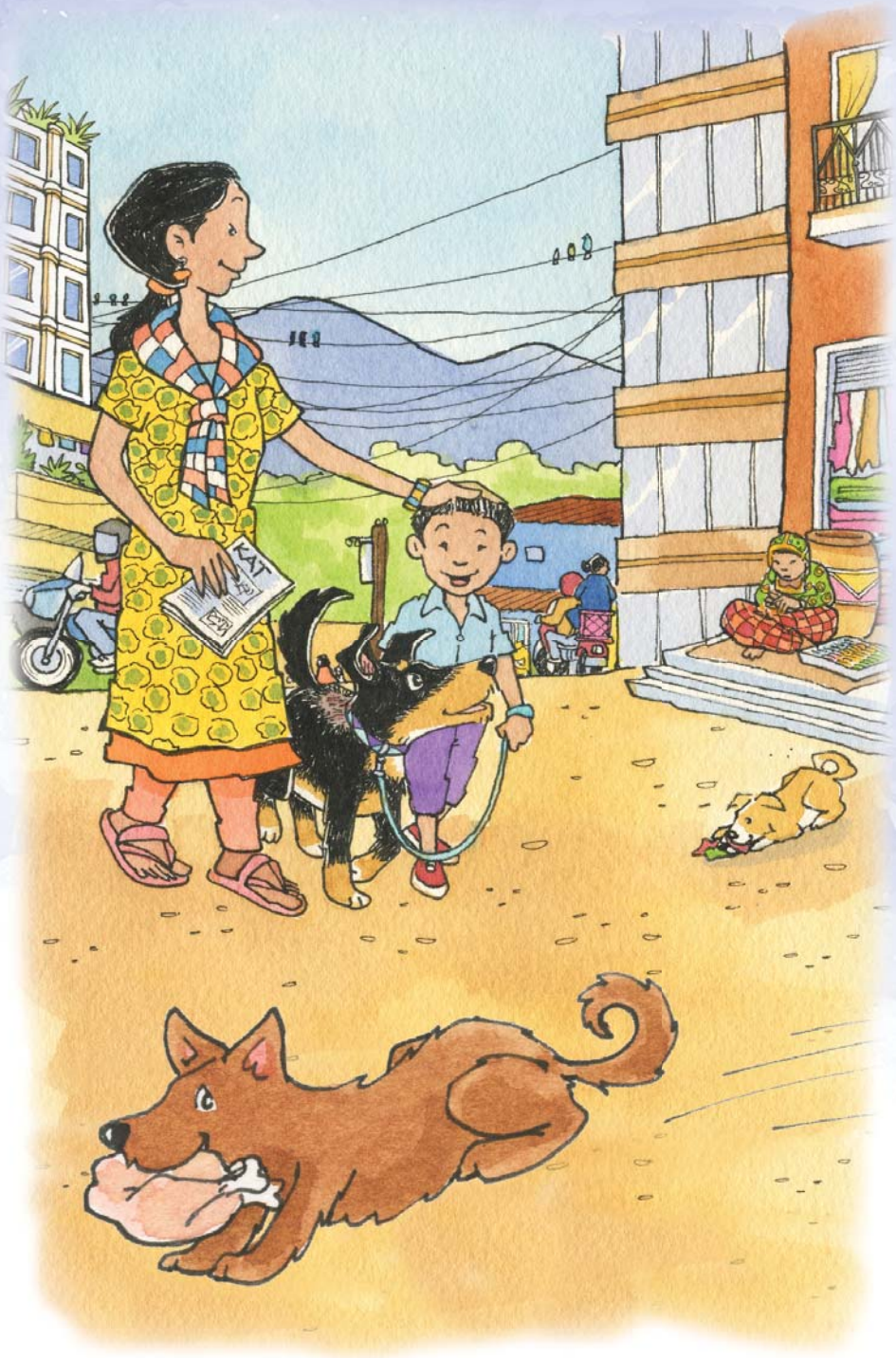

Saathi had no idea what was happening to her but she felt proud to be walking down the street with Prasad and his Amma carefully holding onto her. She also felt safe because she could tell that they were nice people and they wouldn't do anything to hurt her.

After about 15 minutes, they stopped and opened the gate to the courtyard of the apartment building. It was in a neighborhood that she had never been to before. After everything that she'd been through in the past few months she was hopeful that her life was going to change for the better.

साथी को समझ नहीं आ रहा था कि उसके साथ क्या हो रहा है लेकिन उसे प्रसाद और उसकी माँ के साथ चलने में बहुत गर्व महसूस हो रहा था। उसे बहुत सुरक्षित भी महसूस हो रहा था क्यूंकि वह जानती थी कि वे अच्छे लोग हैं और उसे किसी भी तरह ही चोट नहीं पहुचाएंगे।

कुछ १५ मिनट बाद वे रुके और उन्होंने अपार्टमेंट का दरवाज़ा खोला। वह एक ऐसी जगह में थे जहां साथी पहले कभी नहीं आयी थी। पिछले कुछ महीनों में जो कुछ भी हुआ था उसके बाद साथी उम्मीद कर रही थी कि अब उसकी ज़िन्दगी पहले से काफी बहतर हो जाएगी।

Inside the courtyard, they climbed the stairs to the second floor. As they entered the apartment, Saathi's eyes lit up. She couldn't believe how lucky she was! This was going to be her new home. It was warm and clean and inviting. There was even a water bowl already on the floor, next to a dog bed that she guessed was for her.

Saathi looked at Prasad and then at his Amma and felt a tear well up in her eye. Maybe she was finally home.

अपार्टमेंट में घुसते ही वे दूसरी मंज़िल की सीढ़ियां चढ़ने लगे। घर में घुसते ही साथी की आँखें बड़ी हो गई। उसे यक़ीन ही नहीं हो रहा था कि वह कितनी खुशकिस्मत थी! यह उसका नया घर होने वाला था। वह घर बहुत साफ़ सुथरा, और आरामदेह था। वहां एक पानी का कटोरा भी एक छोटे-से बिस्तर के बगल में रखा हुआ था जो शायद उसी के लिए था।

साथी ने प्रसाद की ओर देखा और फिर उसकी अम्मा की ओर। उसकी आँखें भर आयीं थी। शायद अब वह अंततः अपने घर आ गई थी।

One year later……

Saathi woke up in her comfortable bed after another good night's sleep. She now knew what it meant to be adopted by a loving family.

She had enough to eat and drink every day, and she had a comfortable bed inside the family's home. They took her to the dog doctor (called a "veterinarian", she learned) whenever she was sick or injured, and they took her once a year to get her vaccinations to prevent illnesses like rabies, distemper and parvovirus.

They also took her for regular walks on a leash, and Prasad played with her every day. Life was very good for Saathii!

एक साल बाद .....

साथी फिर एक आरामदायक रात की नींद पूरी करके अपने आरामदेह बिस्तर से उठी। अब उसे एक प्यार-भरे परिवार का हिस्सा होने का मतलब अच्छे-से पता था।

उसे रोज़ ज़रूरत के हिसाब से खाना और पानी मिलता था और घर के अंदर ही उसके लिए एक छोटा-सा बिस्तर भी था। वे उसे जानवरों के डॉक्टर के पास भी ले जाया करते थे जब भी वह बीमार होती या उसे कोई भी चोट लग जाती। वे उसे साल में एक बार वैक्सीन के लिए भी डॉक्टर के पास ले जाते थे जिससे उसे कभी रेबीज़, डिस्टेंपर, या परोविरुस जैसी बीमारियां कभी न हो।

वे उसे रोज़ चलाने के लिए भी पट्टे के साथ बाहर ले जाते थे। और प्रसाद उसके साथ रोज़ खेलता था। साथी के लिए ज़िन्दगी बहुत बहतर हो गयी थी!

Saathi knew that something special was going to happen today! She'd heard Prasad and his mother talking about a festival, and that they needed to give Saathi a bath. Although she didn't really like getting a bath, it felt good when they massaged her all over and rubbed her with a towel. And it was oh, so nice to be clean.

Soon, she realized they were going to take her back to the dog shelter that had taken care of her after she got burned, to celebrate Kukur Tihar. Maybe she would see all her old friends!

साथी जानती थी कि आज कुछ स्पेशल होने वाला है! उसने प्रसाद और उसकी माँ को किसी त्यौहार के बारे में बात करते हुए सुन लिया था जिसकी वजह से उन्हें साथी को आज नहलाना भी था। हालांकि उसे नहाना इतना पसंद नहीं था, लेकिन जब वे उसको पूरे बदन पर मालिश करते और उसे तौलिये से पोंछते थे तो उसे बहुत अच्छा लगता था। और उसे साफ़-सुथरा रहना भी कितना पसंद था!

उसे जल्द-ही पता चल गया कि वे उसे कुकुर तिहार मानाने के लिए उसी डॉग शेल्टर में ले जाने वाले थे जहां वह जलने के बाद गई थी। शायद वह अपने सभी पुराने दोस्तों से मिल सकेगी!

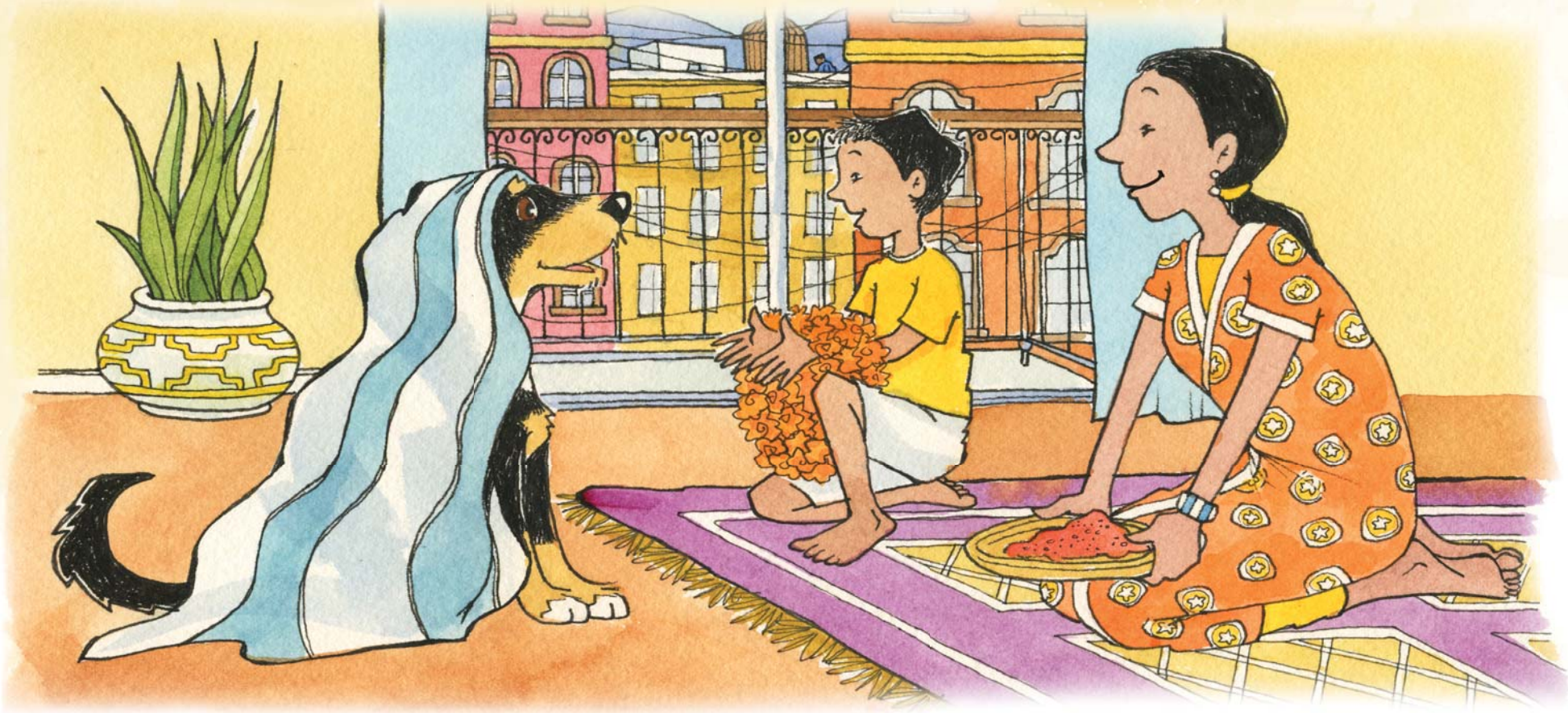

As she watched Prasad and his Amma carry the garlands of orange marigolds and vermillion powder over to her, she felt so happy and joyful inside!

Saathi closed her eyes and promised never to forget what life had been like for her and her friends, and what it was still like for the dogs still living on the streets.

She vowed in her heart to spread the word to all the dogs of India, about what it could be like, to be adopted into a loving family.

THE END

उसे प्रसाद और उसकी माँ को अपनी ओर गेंदे के फूलों से बने हार और सिन्दूर ले कर आते देख अंदर-से बहुत खुशी हुई!

साथी ने अपनी आँखें बंद करके खुद से वादा किया कि उसकी और उसके दोस्तों की पुरानी ज़िन्दगी कैसी थी और आज भी न जाने कितने बेघर कुत्तों की वही ज़िन्दगी है यह बात कभी नहीं भूलेगी।

उसने खुद से ही एक और वादा किया कि वह भारत के सभी कुत्तों को यह बता देगी कि किसी परिवार का हिस्सा होने का क्या मतलब हो सकता है।

अंत

Epilogue

This book is based on the true story of a street dog from Kathmandu, Nepal who was found in late July, 2020, by a woman in the community who had been feeding him regularly for several months. He had large burns on his back from boiling water that had been thrown onto him by a woman who didn't want him hanging around her house. The dog was taken to the Kathmandu Animal Treatment (KAT) Centre, and his burns were treated.

Photos: Matthias Perrin

उपसंहार

Photos: Ben Charman (KAT UK)

यह किताब एक सच्ची घटना पर आधारित है जिसमें काठमांडू नेपाल के एक बेघर कुत्ते को एक औरत ने जुलाई २०२० में रेस्क्यू किया जिसे वह महीनों से खाना खिलाया करती थी। उसकी पीठ पर जलने के घाव के निशाँ थे। किसी ने उसके ऊपर गरम पानी फेंक दिया था क्यूंकि वे उसे अपने घर के पास से भगाना चाहते थे। उस कुत्ते को काठमांडू एनिमल ट्रीटमेंट सेंटर ले जाया गया जहां उसके घावों का इलाज हुआ।

Photos: Rambo Abbie (Janak Kapali)

Two weeks later, after he had recovered from his burns, he was taken into the care of Rambo Abbie, a local dog trainer, who taught him house manners and trained him to walk on a leash and to be a family pet. Temple Dog Rescue, in Canada, helped to raise money to send him to a woman living in Toronto, Canada, who wanted to adopt him and they also coordinated all of the paper work needed for him to travel.

दो हफ़्तों के बाद जब उसके घाव उभर गए तो उसे एक स्थानीय डॉग ट्रेनर रैम्बो एब्बी की देख रेख में छोड़ दिया गया था। उन्होने उसे घरेलु शिष्टाचार और पट्टे के साथ चलना सिखाया ताकि वह एक अच्छा पालतू कुत्ता बन सके। टोरंटो कैनेडा की एक औरत ने उसे गोद लेने का निश्चय किया जिसके बाद टेम्पल डॉग रेस्क्यू ने उसके लिए पैसे इकट्ठे करके उसे कैनेडा भेजने व उसके सभी कागज़ात तैयार करने में बहुत मदद की।

Photos: Rambo Abbie (Janak Kapali)

On September 25, 2020 the dog, now named Max, was flown to Toronto, Canada where he was met by his new Mom. She had already purchased a big fluffy dog bed and lots of toys for Max and she welcomed him into her home. As in the story about Saathi it is my hope that everyone reading this book consider adopting a dog from the streets or a shelter instead of buying an expensive puppy from a kennel club or pet shop. There are plenty of dogs on the streets just waiting to find a good home, whether in India or in some other country.

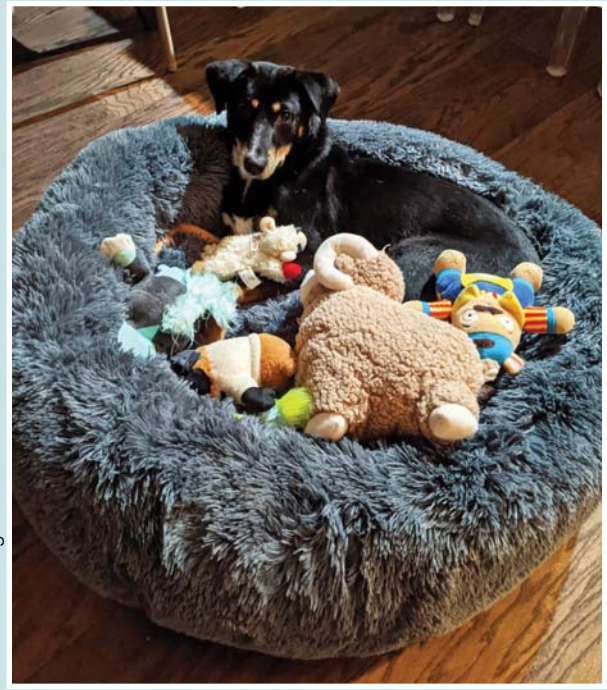

Photos: Stirling Wineck

Photos: Stirling Wineck

२५ सितम्बर २०२० को उस कुत्ते, जिसका नाम अब मैक्स था, को उसकी नयी मालकिन के पास कैनेडा पहुँचाया गया था। उसने पहले से ही मैक्स के लिए एक बहुत बड़ा कोमल बिस्तर और बहुत से खिलौने खरीद लिए थे और उसका बहुत प्यार से अपने घर में स्वागत किया था। जहां तक साथी की बात है, मेरी आशा है कि जो भी यह किताब पढ़े वह बेघर या शेल्टर के कुत्तों को अपनाये, ना कि किसी महंगे स्टोर से कोई महंगी नस्ल का कुत्ता खरीदे। सड़कों पर न जाने ऐसे कितने कुत्ते घूम रहे हैं जो बस एक प्यार भरे परिवार के इंतज़ार में हैं चाहे वह भारत हो या कहीं और।

What to Do if You Find an Injured Street Dog

- Your first priority is safety. A dog who is injured and afraid may bite or scratch.
- Place a cloth over the dog's eyes and carefully secure (not too tightly) the dogs' mouth so he cannot open it and bite you.
- Calm the animal and make more space around him as he would be under stress because of the trauma he has just faced.
- Supervise and keep a regular check without going close to the animal.
- Call the nearest animal protection organization (see pp. 40-42) to report the injured dog's location, type of injuries, etc. and tell them that you need help to get the dog to a hospital.
- If the animal protection organization is unable to send help immediately, ask for help from people nearby and transport the dog to a veterinarian or animal hospital close by.
- Keep a water bowl next to the injured animal so he/she can drink in case they want and are able to do so.
- Do not offer any food or anything else to the injured dog; do not force-feed.

यदि आपको एक घायल कुत्ता मिले तो आपको क्या करना चाहिए

- आपकी पहली प्राथमिकता अपनी सुरक्षा होनी चाहिए। एक घायल और डरा हुआ कुत्ता काट भी सकता है।
- कुत्ते की आँखों पर एक कपड़ा रखें और उसका मुँह आराम से बंद करें जिस से वह आपको काट न सके।
- कुत्ते को शांत करें और उसके आस-पास थोड़ी जगह बनाएं। अभी-अभी घायल होने की वजह से वह सदमे में भी हो सकता है।
- कुत्ते के बहुत पास गए बिना दूर से ही उसके लिए प्रबंध करें और उस पर निगरानी रखें।
- अपने नज़दीकी एनिमल प्रोटेक्शन को फ़ोन करें (पृष्ठ ४०-४२ देखें) और घायल कुत्ते की स्थिति, घाव की जानकारी, इत्यादि दें। उन्हें बताएं कि आपको कुत्ते को अस्पताल तक ले जाने में सहायता की आवश्यक्ता है।
- यदि एनिमल प्रोटेक्शन वाले तुरंत सहायता न कर पाएं तो आस-पास के लोगों से सहायता मांग कर नज़दीकी अस्पताल में ले जाएँ।
- घायल कुत्ते के पास एक पानी से भरा कटोरा रखें ताकि हो सके तो वह ज़रूरत पड़ने पर पानी भी पी सके।
- घायल कुत्ते को कोई भी खाना ज़बरदस्ती न खिलाएं।

Some of the Animal Protection Organizations Working in India

1. Animal Rescue Kerala; Kerala, India
   https://www.facebook.com/animalrescuekerala/
2. Arunachala Animal Sanctuary & Rescue Shelter
   Tiruvannamalai, India
   https://www.arunachalasanctuary.com/index.php
3. Blue Cross of India; Chennai, India
   https://bluecrossofindia.org/
4. Compassion Unlimited Plus Action (CUPA)
   Bangalore, India; https://cupabangalore.org/
5. Dharamsala Animal Rescue
   Dharamsala, India; https://dharamsalaanimalrescue.org/
6. Dogs Trust
   United Kingdom; http://www.dogstrustworldwide.com/
7. Help Animals India
   Seattle, WA (USA); https://helpanimalsindia.org/
8. Help In Suffering
   Jaipur, India; https://www.his-india.in/
9. Hope and Animal Trust
   Ranchi, India; https://hopeandanimal.org/
10. Humane Animal Society (HAS)
    Coimbatore, India: https://www.hasindia.org/
11. Humane Society International (HIS)(India)
    Mumbai, India; https://www.facebook.com/IndiaHSI/

भारत की कुछ एनिमल प्रोटेक्शन संस्थाएं

१. एनिमल रेस्क्यू केरल, केरल, भारत
   https://www.facebook.com/animalrescuekerala/
२. अरुणाचल एनिमल अभ्यारण्य व रेस्क्यू शेल्टर, तिरुवनमलई, भारत
   https://www.arunachalasanctuary.com/index.php
३. ब्लू क्रॉस ऑफ इंडिया, चेन्नई, भारत
   https://bluecrossofindia.org/
४. कम्पैशन अनलिमिटेड प्लस ऐक्शन, बंगलौर, भारत
   https://cupabangalore.org/
५. धर्मशाला एनिमल रेस्क्यू, धर्मशाला, भारत
   https://dharamsalaanimalrescue.org/
६. डॉग्स ट्रस्ट , यूनाइटेड किंगडम
   http://www.dogstrustworldwide.com/
७. हेल्प एनिमल्स इंडिया, सीएटल, व. ऐ, यु. एस. ऐ
   https://helpanimalsindia.org/
८. हेल्प इन सफ्रिंग, जयपुर, भारत
   https://www.his-india.in/
९. होप एंड एनिमल ट्रस्ट, रांची, भारत
   https://hopeandanimal.org/
१०. ह्यूमेन एनिमल सोसाइटी, कोइम्बटोरे, भारत
    https://www.hasindia.org/
११. ह्यूमेन सोसाइटी इंटरनेशनल (इंडिया), मुंबई, भारत
    https://www.facebook.com/IndiaHSI/

12. Just Be Friendly (JBF)
Guwahati, India; https://jbfsociety.org/

13. Karuna Society for Animals and Nature
Puttaparthi, India; https://karunasociety.org/

14. Maitri Trust Animal Care Project; Bodhgaya, India
https://www.maitri-bodhgaya.org/home/animal-care/

15. People for Animals, India
New Delhi, India; https://www.peopleforanimalsindia.org/

16. People for Animals, Chennai; Chennai, India
https://www.facebook.com/peopleforanimalschennai/

17. Raahat for Animals (PFA Dehradun)
Dehradoon, India; https://raahatforanimals.org/

18. RESQ Charitable Trust
Pune, India; https://www.resqct.org/

19. Rishikesh Animal Care; Rishikesh, India
https://www.facebook.com/RishikeshAnimalCareShelter/

20. Sarnath Animal Welfare; Sarnath, India
https://www.facebook.com/sarnathupindia/

21. Sarvodaya Sevabhavi Samstha
Bangalore, India; http://www.sarvodayavets.org/

१२. जस्ट बे फ्रेंडली, गुवाहाटी, भारत
https://jbfsociety.org/

१३. करुणा सोसाइटी फॉर एनिमल्स एंड नेचर, पुट्टपर्थी, भारत
https://karunasociety.org/

१४. मैत्री ट्रस्ट एनिमल केयर प्रोजेक्ट, बोधगया, भारत
https://www.maitri-bodhgaya.org/home/animal-care/

१५. पीपल फॉर एनिमल्स, इंडिया, नई दिल्ली, भारत
https://www.peopleforanimalsindia.org/

१६. पीपल फॉर एनिमल्स, चेन्नई, भारत
https://www.facebook.com/peopleforanimalschennai/

१७. राहत फॉर एनिमल्स (पी. एफ. ऐ देहरादून), देहरादून, भारत
https://raahatforanimals.org/

१८. आर. इ. एस. क्यू. चैरिटेबल ट्रस्ट, इंडिया, पुणे, भारत
https://www.resqct.org/

१९. ऋषिकेश एनिमल केयर, ऋषिकेश, भारत
https://www.facebook.com/RishikeshAnimalCareShelter/

२०. सरनाथ एनिमल वेलफेयर, सरनाथ, भारत
https://www.facebook.com/sarnathupindia/

२१. सर्वोदय सेवाभावी संस्था, बैंगलोर, भारत
http://www.sarvodayavets.org/

22. Stray Relief and Animal Welfare (STRAW)
New Delhi, India; www.strawindia.org

23. Thane S.P.C.A.; Thane, India; https://thanespca.org/

24. Tibetan Volunteers for Animals; Mysore, India
https://www.facebook.com/FreedomForAll/

25. Varanasi for Animals
Varanasi, India; https://www.varanasiforanimals.org/

26. Visakha Society for Protection and Care of Animals
Visakhapatnam, India; https://vspca.org/

27. We for Animals (see below); http://www.weforanimals.com/

28. Welfare of Stray Dogs
Mumbai, India; https://www.wsdindia.org/

29. Well-Being International
Potomac, MD (USA); https://wellbeingintl.org/

30. List of Animal Welfare Organizations from the We for Animals website:
http://www.weforanimals.com/animal%20welfare%20organizations/animal%20welfare%20organisations.htm#List%20of%20animal%20welfare%20organizations

31. List of Animal Ambulances in India from the We for Animals website: http://www.weforanimals.com/animal%20ambulance/animal%20ambulance%20page-1.htm

२२.स्ट्रे रिलिफ एण्ड एनिमल वेलफेयर
नई दिल्ली, भारत; https://www.strawindia.org/

२३.ठाणे एस पी सी ऐ , ठाणे, भारत
https://thanespca.org/

२४.तिब्बतन वालंटियर्स फॉर एनिमल्स, मायसोर, भारत
https://www.facebook.com/FreedomForAll/

२५.वाराणसी फॉर एनिमल्स, वाराणसी, भारत
https://www.varanasiforanimals.org/

२६.विशाखा सोसाइटी फॉर प्रोटेक्शन एंड केयर ऑफ़ एनिमल्स
विशाखापट्नम, भारत। https://vspca.org/

२७.वी फॉर एनिमल्स
http://www.weforanimals.com/

२८.वेलफेयर ऑफ़ स्ट्रे डॉग्स, मुंबई, भारत
https://www.wsdindia.org/

२९.वेल बीइंग इंटरनेशनल पोटोमैक, एम्डी (यु. एस. ऐ.)
https://wellbeingintl.org/

How to Avoid Getting Bitten by a Dog

(Courtesy of Project Humane Nepal)

- Do not disturb a dog when it is eating, sleeping, guarding its pups, guarding its food or when it is chained, or behind a fence.
- Dogs may bite when they are afraid, defending their territory/protecting their home, protecting something they value like a toy or their food bowl, when they are sick or injured or when they get overly excited when playing. Do not play rough with your dog.
- If you want to meet a dog, kneel to their level and let them approach you first. Don't stare at them but look down and let them come over to you.
- Pet them under the chin and not on top of their head. Say hello in a quiet calm voice. Do not hug the dog as they typically do not like that.

कुत्ते के काटने से कैसे बचें?

(सौजन्य - प्रोजेक्ट ह्यूमेन नेपाल)

- किसी भी ऐसे कुत्ते को परेशान न करें जो खा रहा हो, सो रहा हो, अपने बच्चों की देख-रेख कर रहा हो, अपने खाने की देख-रेख कर रहा हो, बंधा हुआ हो, या किसी बाड़ के पार हो।
- कुत्ते काट सकते हैं यदि वे डरे हुए हों, अपनी किसी कीमती चीज़ या जगह की रक्षा कर रहे हों जैसे कोई खिलौना या खाना, जब वे बीमार या घायल हों, या जब वे खेलते समय अत्याधिक उत्तेजित हो जाएं। अपने कुत्तों के साथ अपरिष्कित हो कर न खेलें।
- यदि आप किसी कुत्ते से मिलना चाहते हैं तो उनके कद तक झुकें और पहले उन्हें पास आने का मौका दें। उनकी तरफ घूरें ना, नज़र नीचे रख कर उन्हें अपने पास आने दें।
- उनकी ठोड़ी पर सहलाएं, सर के ऊपर नहीं। शांत और मंद आवाज़ में उनसे बात करें। कुत्ते को गले से न लगाएं, उन्हें यह पसंद नहीं।

What to Do if You Get Bitten by a Dog

(Information from Help Animals India)

- Learn the symptoms of rabies and stay away from any unfamiliar dog. Tell someone immediately if you have been bitten or scratched by a dog.
- If you get bitten or scratched you must act quickly. Wash the bite or scratch immediately with soap and running water for a minimum of 20 minutes or longer, to remove and kill the rabies virus. THIS IS VERY IMPORTANT!! Disinfect the wound with Dettol, Betadine or Spirit. Do not cover the wound.
- Call ahead to the hospital or clinic nearest to you to make sure that they are open and they have the necessary vaccines. Consult a doctor and if recommended start your series (5 injections) of post-exposure rabies vaccinations right away.
- If there are not post-bite rabies vaccines in your town you must go to another town where they are available. Failure to get post-bite vaccines can lead to death.

यदि आपको कोई कुत्ता काट ले तो क्या करना चाहिए

(जानकारी - हेल्प एनिमल्स इंडिया)

- रेबीज़ के लक्षण जान लें और अनजान कुत्तों से दूर रहें। यदि किसी कुत्ते ने आपको नोचा या काटा है तो किसी को जल्द से जल्द खबर करें।
- काटे या नोचे जाने पर जल्द से जल्द इलाज करें। तुरंत अपने घाव को पानी और साबुन से कम से कम २० मिनट तक धोएं। इससे रेबीज़ के कीटाणु मारे जायेंगे। यह बहुत ही ज़रूरी है। किसी रोगाणुरोधक से अपने घाव को साफ़ करें। घाव को खुला ही छोड़ दें।
- जाने से पहले नज़दीकी अस्पताल में फ़ोन करके पक्का करलें कि उनके पास जरुरी वैक्सीन है या नहीं। किसी चिकित्सक से बात करें और जितनी जल्दी हो सके अपना ५ इंजेक्शन का इलाज शुरू करें।
- यदि रेबीज़ के इंजेक्शन आपके शहर में उपलब्ध नहीं हैं तो आप दूसरे शहर जाएँ लेकिन यह वैक्सीन बहुत ही ज़रूरी है। यह न लेने पर इंसान मर भी सकता है।